| QP Code: **D133661** | Total Pages: **3** | Name: |
|---|---|---|
| | | Register No. |

**FIRST SEMESTER UG DEGREE EXAMINATION, NOVEMBER 2025**
**(CUFYUGP)**

**HIN1FA102(1)**
**HINDI BHASHA MEIN SANCHAR AUR RACHANATMAK LEKHAN KA VIKAS – BHAG I**

**2025 Admission onwards**

**Maximum Time: One Hour and a Half** | **Maximum Marks :50**

## खंड क

**I.** निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न का **2** अंक है, अधिकतम **16** अंक मिल सकते हैं:

| | |
|---|---|
| 1 | भारतीय संविधान सभा के प्रमुख सदस्य कौन - कौन थे? |
| 2 | भारतीय संविधान कब लागू हुआ ? |
| 3 | प्रेमचंद की किन्हीं आठ कहानियों के नाम लिखिए। |
| 4 | 'नमक का दारोगा' कहानी के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए । |
| 5 | 'परदेसी' किस विषय पर आधारित कहानी है ? इसका रचनाकार कौन है ? |
| 6 | निम्न लिखित खंड से कर्ता, कर्म, क्रिया और कारक को चुनिए :<br>हम सब पिता जी की हर बात का समर्थन करते। पिता जी अभी जीना चाहते हैं। दिल के वाल्व खराब न हुए होते तो उनकी शारीरिक स्थिति ठीक थी। पाँच वर्ष तक आराम से चल सकते थे पर अब स्थिति नियंत्रण से बाहर थी। इसलिए परिवार के ज्यादातर सदस्य, उनके पास बैठे रहते। |
| 7 | निम्न लिखित खंड से संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण को चुनकर लिखिए :<br>अजब परिवार है हमारा। तीन भाई-बहन तीन देशों में बसे हैं। सब एक-दूसरे के लिए तरसते रहते हैं। जब हुड़क तेज उठती हैं तो एक-दूसरे को लम्बे-लम्बे फोन कर लेते हैं, प्यार-भरे कार्ड भेजते हैं, अगले साल मिलने का वादा करते हैं तो कुछ दिनों को जी ठहर जाता है। |
| 8 | अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए :<br>(a) There are four windows in the room.<br>(b) It is not easy to win a competition.<br>हिन्दी से अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए :<br>(क) पटना में कई बाज़ार हैं ।<br>(ख) कमरे में कोई नहीं था । |
| 9 | निम्न लिखित वाक्यों का संशोधन कीजिए :<br>(क) विनोद के कुत्ता है।<br>(ख) प्रमोद का खेत लहलहा रहे हैं। |

| | |
|---|---|
| | (ग) तुम बहुत धीरे - धीरे रहा है ।<br>(घ) लड़कों ने टाफियां खाया । |
| 10 | वार्तालाप तैयार कीजिए :<br>दुनिया कहेगी कि भगत जी ने बेटों को बहुत पढ़ाया, बेटियों को नहीं ? 'आख़िरी पड़ाव के पहले' पाठ के इस संवाद को आगे बढ़ाइए । |
| | **(16 marks)** |
| | **खंड ख** |
| **II.** निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न का **6** अंक है, अधिकतम **24** अंक मिल सकते हैं: | |
| 11 | "मेरे कानों में<br>पिघला हुआ शीशा भी<br>उड़ेल दिया था<br>मेरी आँखों में<br>गर्म सलाखें भी<br>तुम्हारे ही कहने पर<br>घुसेड़ी गईं" - सप्रसंग व्याख्या कीजिए । |
| 12 | "कूक उठी सहसा तरु-वासिनि!<br>गा तू स्वागत का गाना,<br>किसने तुझको अंतर्यामिनि!<br>बतलाया उसका आना!" – इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए । |
| 13 | "आज मुझे विश्वास हो गया, पंच की ज़ुबान से ख़ुदा बोलता है ..."- यह किसका कथन है? सन्दर्भ सहित समीक्षा कीजिए । |
| 14 | हिन्दी से अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए :<br><br>समझू साहू : तुमने मुर्दा बैल मेरे गले बाँधा था।<br>अलगू : पूरा गाँव जानता है वह मुर्दा बैल नहीं था।<br>समझू साहू : हुँह, गाँववालों ने गाड़ी में जोता था?<br>अलगू : तुम सरासर बेईमानी कर रहे हो मेरे साथ!<br>समझू साहू : (चिल्लाकर) बेईमानी तो तुमने की है मेरे साथ! |
| 15 | संक्षेपण कीजिए ।<br>साहित्य का आधार जीवन है। इसी नींव पर साहित्य की दीवार खड़ी है। उस पर अटारियाँ, मीनार, गुम्बद बनते हैं। लेकिन बुनियादें मिट्टी के नीचे दबी पड़ी रहती हैं जिन्हें देखने को भी जी नहीं चाहता। जीवन परमात्मा की सृष्टि है, इसलिए अनन्त और अगम्य है। साहित्य मनुष्य की सृष्टि है, इसलिए सुगम, सुबोध, और मर्यादाओं से सीमित है। जीवन परमात्मा को अपने |

| | |
|---|---|
| | कार्यों का जवाबदेह है या नहीं! मुझे नहीं मालूम लेकिन, साहित्य तो मानव के समक्ष जवाबदेह है। इसके लिए नियम है, जिससे वह इधर-उधर नहीं हो सकता। जीवन का उद्देश्य ही आनन्द है। मनुष्य जीवन-पर्यन्त आनन्द की खोज में रहता है, किसी को वह रत्न, द्रव्य में प्राप्त होता है, किसी को अपने भरे-पूरे परिवार में, किसी को ऐश्वर्य में लेकिन साहित्य का आनन्द इस आनन्द से ऊँचा है, उसका आधार सुन्दर और सत्य है। वास्तव में सच्चा आनन्द सुन्दर और सत्य से प्राप्त होता है। उसी आनन्द को दर्शाना तथा उत्पन्न करना साहित्य का उद्देश्य है। ऐश्वर्य या भोग के आनन्द में ग्लानि छिपी होती है, पश्चाताप भी होता है। पर सुन्दर से जो आनन्द प्राप्त है व अखंड है - अमर है। |
| | **(24 marks)** |
| | **खंड ग** |
| III. | निम्न लिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न का 10 अंक है: |
| 16 | 'स्कूल' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए । |
| 17 | 'पंच परमेश्वर' की विषय-वस्तु के आधार पर सिद्ध कीजिए कि जीवन में न्याय, सत्य और निष्पक्षता के मूल्य सर्वोपरि हैं । |

**(1 × 10 = 10 marks)**



1105
1105

696125

**D 133658** **(Pages : 4)** **Name.......................................**

**Reg. No...................................**

## FIRST SEMESTER (CUFYUGP) DEGREE EXAMINATION
## NOVEMBER 2025

Hindi (Streams offered to : Humanities and other B.A., Languages)

HIN1FA102(1)—HINDI BHASHA MEIN SANCHAR AUR RACHANATMAK LEKHAN KA VIKAS—BHAG I

(Admission Year : 2024 only)

Time : One Hour and a Half Maximum : 50 Marks

### खंड क

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न का अंक 2 है। अधिकतम 16 अंक मिल सकते हैं :

1 संविधान सभा के सदस्य कैसे चुने गए थे ? और इस सभा के प्रमुख सदस्य कौन कौन थे ?

2 भारतीय संविधान वर्तमान समय में कितने अनुच्छेदों, कितनी अनुसूचियों और कितने भागों में विभाजित है ?

3 प्रेमचंद की कहानियों की मुख्य विशेषताएं लिखिए।

4 'परदेशी' कहानी हमें कौन-सा संदेश देती है ?

5 'पंच परमेश्वर' मूल रूप से किस विधा की रचना है ? इसका नाट्य रूपांतरण किसने किया ?

6 निम्नलिखित खंड से कर्ता, कर्म, क्रिया और कारक को चुनिए।

मैं ने बच्चों से कहा, ''देखो, ताईजी के मेहमान तीन दिन बाद आ रहे हैं, तुम अपना कमरा साफ कर लो। बगलवाले कमरे ऊं उन्हें ठहराएंगे वे तुम्हारा कमरा देखकर क्या सोचेंगे'' !

7 निम्नलिखित खंड से संज्ञा, सर्व नाम और विशेषण को चुनकर लिखिए।

खाने का समय सकुशल बीता। सीधा सादा शाकाहारी भोजन था, उसे अच्छा लगा। पानी उबला हुआ था, फिर भी उसने नहीं पिया।

8 अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

(a) You were angry with me.

(b) His father is a gentleman.

**Turn over**

696125

696125



(c) The milk man is about to come.

(d) The shops were about to be closed.

9 वाक्य संशोधन-

(क) मैं एक फूलों की माला लाऊंगा । (ख) चार लड़के खेल रहा है ।

(ग) तुम एक लड़की है । (घ) आप क्या कर रहे हो ?

10 वार्तालाप तैयार कीजिए :

तीन पीढियां एक छत के नीचे एक कमरे में प्रेम से बैठी है कहीं कोई तनाव नहीं आपके बच्चों को एक नॉर्मल लड़कपन मिल रहा है ।

(16 marks)

**खंड ख**

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न का अंक 6 है । अधिकतम 24 अंक मिल सकते हैं :

11 वैसे कोई चाहे तो जी सकता है

एक नितांत कविता रहित जिंदगी

कर सकता है

कविता रहित प्रेम ।—भाव व्यक्त कीजिए ।

12 जुग जुग जियो अलगु बेटा ! खुदा की रहमत तुझपर बनी रहे ! 'खाला क्यों ऐसा कहती हैं ? संदर्भ समझाइए ।

13 मेरे कानों में

पिघला हुआ शीशा भी

उड़ेल दिया था

मेरी आंखों में

गर्म सलाखें भी

तुम्हारे ही कहने पर

घुसेड़ी गई

मैं ढूंगा माकूल जवाब'' कविता के आधार पर विचार प्रकट कीजिए ।

696125

696125



14 हिन्दी से अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए ।

जुम्मन : क्या कहती हो खाला, तुम्हें कोई तकलीफ़ दी

हमने ?

खाला : तकलीफ़ ! बेटा जब तक मेरी मिल्कियत तुमने

अपने नाम न करवा ली, तब तक तो खूब

खातिरदारी की ।

जुम्मन : तो अब क्या हो गया ?

खाला : अब क्या हो गया बेटा ! रजिस्ट्री की मोहर लगते

ही तुम्हारी बीवी करीमन का रूख़ ही बदल गया । जुम्मन: साफ साफ तो बोलो ।

खाला : (खीझते हुए) और कितना मुंह खोलूं ? क्या

तुम नहीं सुनते ? रूखी सूखी रोटी थाली

में पटकते तुम्हारी बीवी कैसी खरी खोटी,

कड़ुवी बातें सुनाती रहती है ?

15 संक्षेपण कीजिए :

इस संबंध में दो मत नहीं हो सकते कि युद्ध त्याज्य वस्तु है और शांति संसार के लिए आवश्यक और अभीष्ट है । आज यह बात सुनने में शायद आश्चर्यजनक जान पड़े कि अब से कुछ वर्ष पहले तक यद्ध को शांति स्थापना करने का साधन समझा जाता था और कई बड़े बड़े राष्ट्रों का यह विचार था कि वे अपने शास्त्रास्त्रों की संख्या को बढ़ाकर संसार में शांति बनाए रख सकते हैं । परंतु अनुभव ने उनकी धारणा को मिथ्या सिद्ध कर दिया है । युद्ध की सज्जा अंत में युद्ध स्वीकार कर ही छोड़ती । इसलिए यदि युद्ध का बहिष्कार अभीष्ट है, तो

हमें उसका आरंभ अहिंसा और प्रेम की भावना से ही करना होगा । वस्तुत: प्रेम और अहिंसा द्वारा ही न केवल शांति स्थापित की जा सकती है अपितु सारे संसार को एक सुखमय राज्य बनाया जा सकता है । किंतु इसके लिए हमें भगवान बुद्ध के बताए उन्हीं उपदेशों पर आचरण करना होगा, जिन पर अशोक ने किया था । तभी हम भी अशोक की भांति एक सुखमय संसार के निर्माण में योग दे पाएंगे ।



696125

696125



तादात्म्य का परिणाम उनकी कला ही होती है । किसी तीव्र रागात्मक अनुभूति का कर्म में व्यक्त होना कला में व्यक्त होने वाली तीव्रता को कम कर देता है । सामान्यत: कलाकार अपने व्यक्तिगत अभावों का उपचार भी कर्म में नहीं खांज पाता । परिणाम स्वरूप उत्ऐ कला का सृजन करके भी वह अलौकिक दृष्टि से कुल व्यक्तियों की अवज्ञा का भार वहन करता है । वह तत्पर सहकर्मी नहीं माना जाता है क्योंकि जीवन की विषमता का जो परिहार उनके सृजन में व्यक्त होता है वह स्थायी होने पर भी तुरंत फलदाई नहीं हो सकता । कला मनुष्य के हृदय और बुद्धि को प्रभावित करके ही उसके कर्म को प्रभावित करती है और प्रत्येक को बदलकर ही सबको बदलने में असमर्थ होती है । कलाकार को मनुष्य के रूप में पहचानने केलिए कला और कर्म में एकात्म होना चाहिए ।

(24 marks)

## खंड ग

III. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए प्रत्येक प्रश्न का 10 अंक हैं :

16 'पंच परमेश्वर' के प्रमुख पात्रों के चरित्रगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

17 'स्कूल' कहानी का सारांश लिखकर मां की विवशता तथा मां और बेटे के आत्म संबंध को व्यक्त कीजिए ।

(1 × 10 = 10 marks)

696125

566558

**D 113498** **(Pages : 3)** **Name.......................................**

**Reg. No...................................**

**FIRST SEMESTER (CUFYUGP) DEGREE EXAMINATION NOVEMBER 2024**

Hindi

HIN1FA102(1) AEC2—HINDI BHASHA MEIN SANCHAR AUR RACHANATMAK LEKHAN KA VIKAS—BHAG I

(2024 Admission onwards)

Time : One Hour and a Half Maximum : 50 Marks

**खंड क**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न का 2 अंक है। अधिकतम 16 अंक मिल सकते है

1 भारतीय संविधान को पूर्ण रूप से तैयार करने में कितने वर्ष, कितने माह और कितने दिन का समय लगा था ?

2 भारतीय संविधान के मसौदा निर्माण केलिए समिति कब गठित हुई ? इसके कितने सदस्य थे ? इसके अध्यक्ष कौन थे ?

3 प्रेमचन्द की किन्हीं आठ कहानियों के नाम लिखिए।

4 परदेशी कहानी के रचयिता कौन है ? इसकी विषयवस्तु क्या है ?

5 'आखिरी पड़ाव के पहले' किस विधा की रचना है ? इसका मुख्य संदेश क्या है ?

6 निम्नलिखित खंड से कर्ता, कर्म, क्रिया और कारक को चुनिए :

जब भैया लंच में घर आए तो सीधे पिताजी के कमरे में गये। सबसे पहले पल्स ओक्सीमीटर को निहारे। खाने पीने की जानकारी ली फिर पिताजी की ओर मुखातिब हुए ?

7 निम्नलिखित खंड से संज्ञा, सर्व नाम और विशेषण को चुनकर लिखिए :

पकौड़ा बहुत गर्म था। रिचर्ड कुरसी से उछला और पकौड़ा मुंह से बाहर निकला, बच्चों की तरफ देखकर हंसा, 'सोरी' उसने कहा फिर पकौड़े को फूंक फूंककर मुंह में डाला।

8 अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

(a) It is useful to take exercise daily.

(b) Was it raining when you came out ?

(c) We were not in the Park.

(d) There is a good story in this book.

**Turn over**

566558

9 वाक्य संशोधन :

(क) आप आज दिल्ली जाएगा ।

(ख) लड़की तेजी दौड़ रही है ।

(ग) मैंने एक कहानी पढ़ा।

(घ) गोपाल ने काम की ।

10 वार्तालाप तैयार कीजिए :

''दुनिया कहेगी कि भगतजी ने बेटों को बहुत पढ़ाया, बेटियों को नहीं" आखिरी पड़ाव के पहले पाठ के इस संवाद को आगे बढ़ाइए ।

(16 marks)

**खंड ख**

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न का 6 अंक है, अधिकतम 24 अंक मिल सकते हैं :

11 समय के साथ

इसका

मैं दूंगा माकुल जवाब

मेरी जगह

पढ़ेंगे मेरे बच्चे

जरूर ।

किस कविता की पंक्तियां हैं ? भावार्थ लिखिए ।

12 आज मुझे विश्वास हो गया, पंच की जुबान से खुदा बोलता है—पाठ कौन-सा है ? कौन-सा पात्र किस संदर्भ में कहता है ?

13 शशि किरणों से उतर उतरकर

भू पर काम रूप नभचर

चूम नवल कलियों का मृदु मुख

सिखा रहे थे मुस्काना ।

—आस्वादन टिप्पणी लिखिए ।

566558



14 हिन्दी से अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए :

अलगु : (शांत चित्त) जुम्मन मियां, तुम्हारी खाला ने
तुम्हें कितनी जमीन दान में दी थी ?

जुम्मन : तीन बीघा

अलगु : जमीन रजिस्ट्री करवाने से पहले तुमने खाला से लंबे चौड़े वायदे किए थे ?

जुम्मन : किये थे ।

अलगु : क्या क्या वायदे किए थे ?

जुम्मन : यही कि, खाला को कोई तकलीफ़ न होगी ।
जब जो ख़ाने का जी चाहे, खा सकती है ।

15 संक्षेपण कीजिए :

साहित्य का आधार जीवन है । इसी नींव पर साहित्य की दीवार खड़ी है । उसपर अटारियां, मीनार गुम्बद बनते हैं । लेकिन बुनियादें मिट्टी के नीचे दबी पड़ी रहती है जिन्हें देखने को भी जी नहीं चाहता । जीवन परमात्मा की सृष्टि है, इसलिए अनंत और अगम्य है । साहित्य मनुष्य की सृष्टि है, इसलू सुगम, सुबोध और मर्यादाओं से सीमित है । जीवन परमात्मा को अपने कार्यों का जवाबदेह है या नहीं ! मुझे नहीं मालूर लेकिन, साहित्य तो मानव के समक्ष जवाबदेह हैं । इसके लिए नियम है, जिससे वह इधर-उधर नहीं हो सकता । जीवन का उद्देश्य ही आनंद है । मनुष्य जीवन पर्यंत आनंद की खोज में रहता है, किसीको वह रत्न, द्रव्य में प्राप्त होता है, किसी को अपने भरे पूरे परिवार में, किसीको ऐश्वर्य में लेकिन साहित्य का आनन्द इस आनंद से ऊंचा है, उसका आधार सुंदर और सत्य है । वास्तव में सच्चा आनंद सुंदर और सत्य से प्राप्त होता है । उसी आनंद को दर्शाना तथा उत्पन्न करना साहित्य का उद्देश्य है । ऐश्वर्य या भोग के आनंद में ग्लानि छिपी रहती है, पश्चाताप भी होता है । पर सुंदर से जो आनंद प्राप्त है वह अखंड है—अमर है ।

(24 marks)

**खंड ग**

III. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए प्रत्येक प्रश्न का 10 अंक है :

16 'पंच परमेश्वर' की कथा वस्तु लिखकर उसके शीर्षक के औचित्य पर विचार कीजिए ।

17 'आखिरी पड़ाव के पहले' पाठ के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(1 × 10 = 10 marks)

566558